सारांश

मनुष्य ने आपने जीवन में जो प्रगति की है उसकी तुलना में अन्य किसी भी प्राणी जिसके नाम को प्रगति भला हुई है। आदमी जन्म से ही खेत खेलता है उसके खेत अन्धा लगता है। इसीलिए आदमी की जन्म से ही एक खिलाड़ी की प्रवृत्ति है। अब तक संपन्न हुई ऐतिहासिक एवं पुरातनिक खोजों के आधार पर यह पता चला है कि भारत, मिस्र और मेसोपोटेमिया की समस्ताओं के निर्माणों ने एक मुख्यत्व शिक्षा प्रणाली एवं उसके अंतर्गत शारीरिक शिक्षा की व्यक्तियों को जन्म देने की थी। अतः हम कह सकते हैं कि भारत में समाज के प्रारंभ में ही शारीरिक शिक्षा का अभिलेख भी प्रारंभ हो गया था।

शारीरिक शिक्षा, शिक्षा का यह रूप है जो शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से मनुष्य के पूर्ण विकास एवं प्रशिक्षण में जोड़ना देती है। शिक्षा को एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य आम अनुभूति है ताकि व्यक्तित्व का सार्वजनिक विकास हो सके, शारीरिक शिक्षा के द्वारा मनुष्य के व्यवहार में बाह्य परिवर्तन किया जा सकता है। ये परिवर्तन इसीलिए किया जा सकता है क्योंकि उसे व्यायाम, स्वास्थ्य तथा जीवन में अतिरिक्त ज्ञान हो जाता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह हमेशा समाज में रहना चाहता है। अन्य मानवीय समस्याओं को विकसित करने में भी योगदान देती है। एक मुख्यत्व
शारीरिक शिखा का कार्यक्रम विद्यार्थियों को शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से व्यक्ति के सामाजिक अनुभव प्रदान करता है।

सरीर तथा मन व्यक्ति के अविभाज्य अंग है। शारीरिक शिखा का उद्देश्य मनुष्य को शारीरिक एवं मानसिक रूप से व्यस्था बनाना है। शारीरिक शिखा वह सामान्य शिखा का ही अंग है, तथापि हम कह सकते हैं कि शिखा, शारीरिक शिखा के विना अनुपस्थित है। शारीरिक शिखा सरीर और मन की समृद्धि की जिक्षा है और वह सामान्य शिखा से अधिक प्रभावशाली होती है। शारीरिक शिखा का अनुभूति, उस शारीरिक प्रक्रियाओं के माध्यम से, जिन्हें प्रयोग शारीरिक, मानसिक, संवेदनात्मक तथा स्वास्थ्य नागरिकों का निर्माण करता तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया गया है। शारीरिक शिखा का माध्यम शारीरिक प्रक्रियाएँ हैं जिससे सरीर के सनसन अवधि का ज्ञात प्रयोग के द्वारा निर्माण होता है। शारीरिक शिखण का प्रशिक्षण द्वारा मानसिक और सामाजिक गुणों का विकास सम्बन्ध हो पाता है। खेल कुट, शारीरिक शिखा और मनोरंजन की शिखा का एक रूप है, जिसका माध्यम सरीर है। अतः शिखण संघात्मक पाठ्योपाध्याय ऐसी व्यवस्था करते हैं, जिससे शिखा के उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

मानव जीवन में क्रिया अथवा महत्वपूर्ण क्रिया है। व्यायाम में सबसे पहले मनुष्य अपने शारीरिक क्रियाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है। यह इन क्रियाओं के माध्यम से अपने शरीर के अंगों का उपयोग बाहर करता है। जिससे शारीरिक नियंत्रण की
में लाख विविध सार्वजनिक बीजाना की कीमांकों को छोड़ने के अन्यरूप नियमों को दे सकते. जो उपलब्धियों उनके संशोधन के लिए भी उपयोगी मिला होगा।

प्रस्तुत अभ्यास में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों और छात्राओं को दैनिक भ्रमण पर कोई नियमण नहीं था तथा छात्रों और छात्राओं के पूर्व प्रशिक्षण की कोई जानकारी नहीं की गयी। प्रस्तुत अभ्यास के लिए केवल नागपूर जिले के फ्रेशर (पैर महावरण पान) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के १०० मीटर दूर, लामी नदी एवं गोल्ड पेंक खेलने वाले ८०० छात्रों और छात्राओं का भी चयन किया गया जो १६ से १८ वर्ष आयु वाले थे। प्रस्तुत अभ्यास में निम्नलिखित शासित। नक्स को समीक्षित किया गया है। तैयारी, शिक्षा, चलन खेल, नैसर्गिक रूप से गति सहनशीलता।

तब आदर्श प्रशिक्षक पर, जैसे, नाड़ी दर एवं रक्त दाय का स्वाभाविक कीमत蓦था।

किसी भी समस्या की समाधान का पूर्व हल निकालने के लिए उससे महत्वग्रहिता का अभ्यास करना आवश्यक हो जाता है। इसी तरह की प्रश्न के में तब आदर्श प्रशिक्षक पर अनुसंधानकर्ता ने विभिन्न एग्जाम्स में जाकर संशोधन परिक्रमाओं, प्रभावी शोध तथा लघुगोष्टि प्रश्न तथा पुस्तकों का अभ्यास किया। इसके अतिरिक्त अध्ययनकर्ता ने इंटरनेट से विभिन्न अद्वितीय संशोधन को भी संबंधित किया। इस संशोधन में से कुछ इस संशोधन से काफी मात्रा में समाधान संशोधन को इस भाषा में रखने प्रयास
निष्पादन भी अत्यंत हो उच्च स्तर का होता है। इसी प्रकार किसानों का भी उनके हार्मोन पर प्रत्यक्ष एवं अनौपचारिक प्रभाव पड़ता है इसलिए शोधकर्ताओं ने इस निष्पादन को पूर्ण करने के लिए ही इस निष्पादन को पुनर्निष्पादन करना शोषित किया। प्रबन्धक समस्या का काफ़ी व्यावसायिक विश्लेषण के लिए और लड़ीमी को शारीरिक एवं शरीर किसानों चरम का दीवार कुप्त प्रदर्शन के सबसे तुलनात्मक अध्ययन है।

अध्ययन का महत्व

प्रबन्धक समस्या के लिए चयन की स्थान समस्या अनुसंधानकर्ताओं की जानकारी के अनुसार शोषण से उपेक्षित है। इस समस्या के शोषण कार्य का प्रोटोटोप कार्य, शिक्षा क्षेत्र, और इस क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न व्यक्तियों एवं भाग अनुसंधानकर्ताओं के लिए दायित्व महत्वपूर्ण योगदान होगा।

प्रबन्धक शोषण से विद्यमान के नागपूर जिले महाविद्यालय के विश्लेषणों में खेळ के प्रति शोषण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवेदन निष्कर्षों का पथ आयात देने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस अनुसंधान के निष्कर्षों का नागपूर जिले महाविद्यालयों में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों को अपने दर्शन का निर्माण करने में अत्यधिक महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। एवं महाविद्यालयों में अंतर्दृष्ट मात्र शिक्षा को शारीरिक शिक्षा के साथ प्रभावी प्रकार से जोड़कर इस शोषण के निष्कर्षों एवं मिलाईयों की अमल
कथना बढ़ता है। मनुष्य उन पदार्थों अथवा वस्तुओं पर भी नियंत्रण प्राप्त करते हैं, तथा अपनी इच्छा के अनुसार उनका प्रयोग करना सिखते हैं। वे व्याख्यानके माध्यम से पर्यावरणीय कारणों पर नियंत्रण करना सिखते हैं। उनमें प्रक्रियाओं का विकास होता है।
तथा नेतृत्व के गुण आते हैं। इस प्रकार वह अपने योग्यता पर नियंत्रण पर्यावरण दशाओं पर नियंत्रण करना सिखता है। इस धार्मिक का शास्त्रीय वृद्धि करते हैं।
अधुनिक युग में गर्भधारण और गर्भपात के लिए अधिन अंग वन गए हैं। इसलिए आज इस गायनी युग में सफल खोज जीवन व्यवसाय करने के लिए मनुष्य को वाणिज्यिक दृष्टिकोण से प्रेरित और सामाजिक दृष्टिकोण से संवृत्त तथा सामाजिक दृष्टिकोण से संबंधित होना चाहिए। अधुनिक युग में विना भरोसे के परिक्रमाओं का उपयोग कर किसी भी आयुर्विज्ञान का खिलाड़ी उन्नति लायक स्थर पर प्राप्त नहीं कर सकता है। हमारा धर्म तत्त्व यह व्यक्ति करता है की वेदांतिक खोज के बिना हम कोई उन्हें उपलब्ध प्राप्त नहीं कर सकते। शास्त्रीय शिखर से खेत्र में अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण स्थान है, जिसमें विशेष मनो-निर्देशित आदि प्रभाव लगाता है और उष्ण स्तर के कौशल्य तकनीकों से संबंधित प्रयोग कर खेत को लोकप्रियता की उन्नति विशाल तक पहुँचाया जा सकता है।
शास्त्रीय स्वधर्म का लड़दों और लड़कियों के लिए विशेष महत्व होता है क्योंकि देखा जाता है कि उन्होंने शास्त्रीय स्वधर्म निर्माण की अनुशीलन होती है उनका खेत्र
फिर है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधानकर्ता ने अपनी समस्या के सन्दर्भ में अपने पूर्ण प्रयास द्वारा कार्य किये गये हैं।

प्रस्तुत आध्यात्मिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधानकर्ता में शोभा सर्वप्रथम विधि का प्रयोग करने का निर्णय किया। प्रस्तुत आध्यात्मिक उद्देश्य में सर्वप्रथम विधि से संबंधित सभी मान्यताओं एवं विशेषताओं का प्रयोग किया गया है। इस आध्यात्मि के अनुसार खिलाड़ियों का नाम, मायने पद्धति, परिप्रेक्ष्य प्रशासन, अध्ययन का अभ्यास, परीक्षण की विश्लेषणात्मक एवं परीक्षण विश्लेषणात्मक पद्धति के चयन प्रभावित परीक्षणस्थल कीमत गया है। इस आध्यात्मिक में नागरिक जिलों के विभिन्न महानगरों में अनुसंधानकर्ता की विशेष परिषदें से प्राप्त जानकारी के साहित्यिक विश्लेषण के उपाधि प्रस्तुत किए गए हैं। इस अध्ययन के लिए चुने गए घटनाओं से संबंधित तथ्यों का संकलन विशेष विश्लेषण परिषदें के माध्यम से किया गया।

अनुसंधान में आते तथ्यों के साहित्यिक विश्लेषणों यह पता चलता है की, संशोधन क्षेत्र के विशेष माध्यमिक विश्लेषण के लड़कों और लड़कियों की गति, चर्चा, विश्लेषण शाक्ति, गति साहित्यिक में सार्वजनिक ऊर्जा है। तथा, नागरिक दर एवं रक्तदाता में कोई सार्वजनिक अंतर नहीं है।